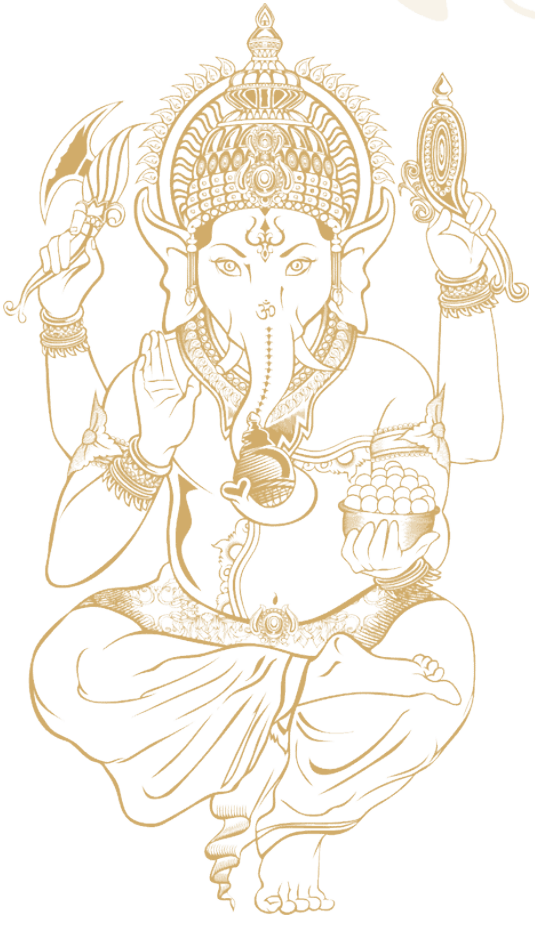

Guddu

05 Dec 1978

06:42 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121467708

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/12/1978**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:42:00 घंटे**
इष्ट	28:48:02 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:04:32 घंटे
वेलान्तर	00:09:32 घंटे
साम्पातिक काल	23:00:28 घंटे
सूर्योदय	07:10:47 घंटे
सूर्यास्त	17:45:05 घंटे
दिनमान	10:34:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:29:12 वृश्चिक
लग्न के अंश	04:07:18 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:07:18	334:16:57	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	19:29:12	01:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	00:17:21	14:14:47	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल		अ	धनु	01:01:44	00:45:00	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	20:19:18	01:22:55	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	15:20:31	00:01:56	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			तुला	14:43:30	00:15:52	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	20:01:58	00:02:07	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	29:28:54	00:02:02	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	29:28:54	00:02:02	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	24:44:59	00:03:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
नेप			वृश्चि	24:17:09	00:02:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
प्लूटो			कन्या	25:00:48	00:01:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	20:16:38	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:43

लग्न-चलित

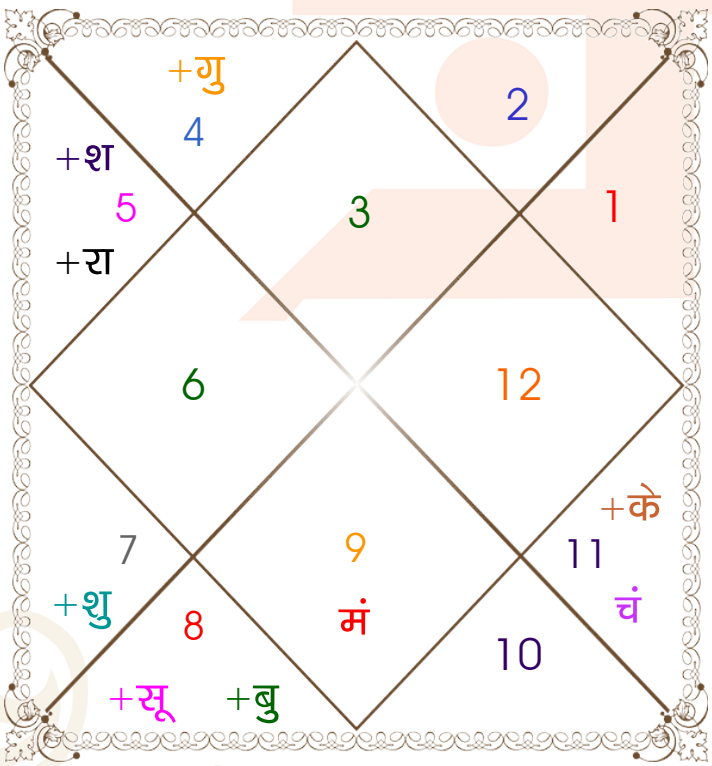

चन्द्र कुंडली

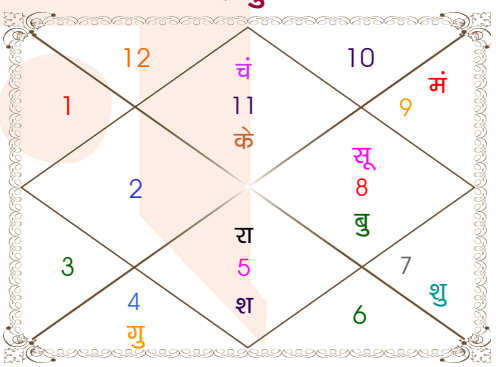

नवमांश कुंडली

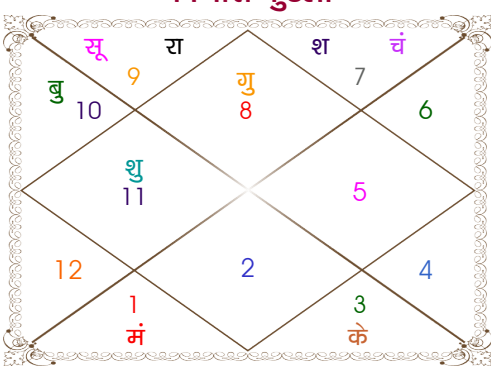

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 4 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/12/1978		11/04/1982		11/04/2000		11/04/2016		11/04/2035	
11/04/1982		11/04/2000		11/04/2016		11/04/2035		11/04/2052	
	00/00/0000	राहु	22/12/1984	गुरु	30/05/2002	शनि	14/04/2019	बुध	07/09/2037
	00/00/0000	गुरु	18/05/1987	शनि	10/12/2004	बुध	23/12/2021	केतु	04/09/2038
	00/00/0000	शनि	24/03/1990	बुध	18/03/2007	केतु	31/01/2023	शुक्र	05/07/2041
	05/12/1978	बुध	10/10/1992	केतु	22/02/2008	शुक्र	02/04/2026	सूर्य	12/05/2042
बुध	08/10/1979	केतु	29/10/1993	शुक्र	23/10/2010	सूर्य	15/03/2027	चंद्र	11/10/2043
केतु	05/03/1980	शुक्र	29/10/1996	सूर्य	11/08/2011	चंद्र	13/10/2028	मंगल	07/10/2044
शुक्र	05/05/1981	सूर्य	22/09/1997	चंद्र	10/12/2012	मंगल	22/11/2029	राहु	27/04/2047
सूर्य	10/09/1981	चंद्र	24/03/1999	मंगल	16/11/2013	राहु	28/09/2032	गुरु	02/08/2049
चंद्र	11/04/1982	मंगल	11/04/2000	राहु	11/04/2016	गुरु	11/04/2035	शनि	11/04/2052

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/04/2052		11/04/2059		11/04/2079		11/04/2085		11/04/2095	
11/04/2059		11/04/2079		11/04/2085		11/04/2095		00/00/0000	
केतु	07/09/2052	शुक्र	11/08/2062	सूर्य	30/07/2079	चंद्र	09/02/2086	मंगल	08/09/2095
शुक्र	07/11/2053	सूर्य	11/08/2063	चंद्र	29/01/2080	मंगल	10/09/2086	राहु	25/09/2096
सूर्य	15/03/2054	चंद्र	11/04/2065	मंगल	04/06/2080	राहु	11/03/2088	गुरु	01/09/2097
चंद्र	14/10/2054	मंगल	11/06/2066	राहु	29/04/2081	गुरु	11/07/2089	शनि	11/10/2098
मंगल	12/03/2055	राहु	11/06/2069	गुरु	15/02/2082	शनि	10/02/2091	बुध	05/12/2098
राहु	30/03/2056	गुरु	10/02/2072	शनि	28/01/2083	बुध	11/07/2092		00/00/0000
गुरु	05/03/2057	शनि	11/04/2075	बुध	05/12/2083	केतु	09/02/2093		00/00/0000
शनि	14/04/2058	बुध	09/02/2078	केतु	11/04/2084	शुक्र	11/10/2094		00/00/0000
बुध	11/04/2059	केतु	11/04/2079	शुक्र	11/04/2085	सूर्य	11/04/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।